

बैचलर ऑफ माइक्रोबायोलॉजी

बीएससी माइक्रोबायोलॉजी को माइक्रोबायोलॉजी में बैचलर ऑफ साइंस के रूप में भी जाना जाता है। बीएससी माइक्रोबायोलॉजी 3 साल का अंडरग्रेजुएट कोर्स है।

और इसे 6 सेमी मास्टरकार्ड में विभाजित किया गया है। माइक्रोबायोलॉजी बैक्टीरिया, वायरस, एंटीफंगल दवाओं और औषधीय गुणों जैसे सूक्ष्मजीवों का अध्ययन है।

बीएससी माइक्रोबायोलॉजी कोर्स का अध्ययन करने के लिए पात्रता:

- आवेदन पत्र 12वीं कक्षा शोधकर्ता को होना चाहिए
- कक्षा 11 एवं 12 में जीव विज्ञान, एक विषय के रूप में भौतिकी और गणित का अध्ययन किया होना चाहिए। आरएनआर एनथे दुतुथ
- अभ्यर्थियों को सामान्य परीक्षा में न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण होना होगा। इस पाठ्यक्रम को आरसीएच पीरिंडा में पढ़ें
- उपरोक्त शैक्षणिक योग्यता और अंक प्रतिशत प्रत्येक कॉलेज या विश्वविद्यालय के लिए अलग-अलग है।

तमिल में बीएससी माइक्रोबायोलॉजी पाठ्यक्रम विषय:

इस बीएससी माइक्रोबायोलॉजी में आपको जीव विज्ञान के सभी बुनियादी पहलुओं का अध्ययन करना होगा।

1. सूक्ष्म जीव विज्ञान के सिद्धांत
2. ट्रांसमिशन जेनेटिक्स के सिद्धांत
3. जीव विज्ञान में कार्बनिक तंत्र
4. आप्टिक जीव विज्ञान
5. सामान्य सूक्ष्म जीव विज्ञान
6. माइक्रोबियल फिजियोलॉजी
7. मूल बातें और एप्लाइड इम्यूनोलॉजी
8. जैव सूचना विज्ञान

9. बुनियादी आनुवंशिकी
10. मूल उतक संस्कृति
11. कोशिका संरचना
12. मेडिकल वायरोलॉजी
13. मेडिकल बैक्टीरियोलॉजी
14. बायो इंस्ट्रुमेंटेशन
15. आर्थिक कीटविज्ञान

उपरोक्त सभी विषय उन लोगों के लिए आसान होंगे जिन्होंने दूसरी कक्षा में जीवविज्ञान, भौतिकी और गणित को एक विषय के रूप में पढ़ा है।

Bsc माइक्रोबायोलॉजी की पढ़ाई करने के बाद आपको कौन सी नौकरी मिल सकती है:

बीएससी माइक्रोबायोलॉजी स्नातकों के पास विज्ञान विशेषज्ञता वाले सरकारी और निजी क्षेत्रों में नौकरी के कई अवसर हैं। विशेष रूप से, प्रयोगशालाओं, सरकारी और निजी क्लीनिकों, अनुसंधान संस्थानों, पर्यावरण आयोगों, खाद्य प्रसंस्करण, रासायनिक उद्योगों और कृषि जैसे क्षेत्रों में कई नौकरियां उपलब्ध हैं। लाभ हैं।

स्नातकोत्तर:

यदि आप बीएससी माइक्रोबायोलॉजी पूरा करने के बाद उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं,

1. जैविक रसायन विज्ञान
2. कृषि सूक्ष्म जीव विज्ञान
3. जीवाणु विज्ञान एवं विषाणु विज्ञान
4. इंजीनियरिंग और जैव सूचना विज्ञान और कम्प्यूटेशनल तरीके
5. बायोफिजिकल तकनीक और इंस्ट्रुमेंटेशन
6. जैव सूचना विज्ञान और कम्प्यूटेशनल तरीके
7. माइक्रोबियल फिजियोलॉजी और आणविक जीवविज्ञान
8. बायोप्रोसेस प्रौद्योगिकी और कृषि सूक्ष्म जीव विज्ञान
9. उन्नत इम्यूनोलॉजी

10. बायोप्रोसेस प्रौद्योगिकी

11. पर्यावरण माइक्रोबायोलॉजी मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी

12. माइक्रोबियल प्रौद्योगिकी

13. कोशिका जीव विज्ञान और एंजाइम विज्ञान

14. सूक्ष्म जीव विज्ञान के सिद्धांत

जैसे विभिन्न स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम हैं